भारत - अल्जीरिया संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत एवं अल्जीरिया के बीच राजनयिक संबंध वर्ष 1962 में उसी समय स्थापित किए गए जब अल्जीरिया ने उपनिवेशी शासन से स्वतंत्रता हासिल की। शुरू से ही दोनों देशों के बीच मधुर एवं गर्मजोशीपूर्ण हैं। दोनों देश द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय स्तरों पर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक दूसरे का निरंतर समर्थन कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण द्विपक्षीय यात्राएं

- नाम शिखर बैठक में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1973 में अल्जीरिया का दौरा किया,
- प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी ने जून, 1985 में अल्जीरिया का दौरा किया तथा अल्जीरिया के राष्ट्रपति चाडली बेंजेडिड ने 1982, 1983 और 1987 में भारत का दौरा किया।
- अल्जीरिया के राष्ट्रपति राउटेफ्लीका ने गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में 24 से 29 जनवरी, 2001 के दौरान भारत का दौरा किया।
- इन यात्राओं के अलावा दोनों देशों द्वारा मंत्री स्तर पर और अधिकारी स्तर पर अनेक यात्राएं हुई हैं। विदेश मंत्री ने 2000 में और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री मुरली देवड़ा ने वर्ष 2007 में अल्जीरिया का दौरा किया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में मई, 2011 में अल्जीरिया का दौरा किया।
- देश राज्य मंत्री श्री ई अहमद ने अल्जीरिया की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ तथा भारत और अल्जीरिया के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 साल पूरा होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 17 और 18 अप्रैल, 2013 को अल्जीरिया का दौरा किया।
- भारत - अल्जीरिया संसदीय मैत्री समूह का गठन वर्ष 2008 में किया गया। अल्जीरिया के दो युवा संसद सदस्यों ने "लीडर ऑफ फ्यूचर" कार्यक्रम के तहत मार्च, 2013 में भारत का दौरा किया। सत्ताधारी दल एफ एल एन के माननीय संसद सदस्य श्री अली मेलाघसू ने इस कार्यक्रम के तहत 8 से 15 मार्च, 2014 के दौरान भारत का दौरा किया।
- भारत - अल्जीरिया विदेश कार्यालय परामर्श की पिछली बैठक का आयोजन 7 मई 2015 को नई दिल्ली में हुआ था। श्री संदीप कुमार, संयुक्त सचिव (वाना), विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय पक्ष का नेतृत्व किया गया तथा इसमें उप सचिव (एफ टी - वाना), वाणिज्य मंत्रालय शामिल थे। अल्जीरिया के शिष्टमंडल का नेतृत्व अल्जीरिया के विदेश मंत्रालय में महानिदेशक (एशिया - ओसियाना) राजदूत श्री बोमेडियन गुएनाद द्वारा किया गया, जिनके साथ भारत में अल्जीरिया के राजदूत श्री हमजा याही चेरिफ शामिल थे। दोनों पक्षों ने सभी बकाया द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की जिसमें भारत में विनिर्मित कारों

के अल्जीरिया में निर्यात पर प्रतिबंध तथा इरकान को भुगतान की शर्तों में एकपक्षीय परिवर्तन शामिल है।

- आर्थिक, व्यापार, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक सहयोग के लिए भारत - अल्जीरिया संयुक्त आयोग की 9वीं बैठक 25 और 26 मई 2015 को अल्जीयर्स में हुई। भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमन द्वारा किया गया और अल्जीरिया के शिष्टमंडल का नेतृत्व अल्जीरिया के परिवहन मंत्री श्री बउडजेमा तलाई द्वारा किया गया।
- अक्टूबर 2015 में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले आई ए एफ एस-3 के लिए अल्जीरिया के राष्ट्रपति बउतीफ्लिका और विदेश मंत्री लमारमा को निमंत्रण सौंपने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में माननीय कृषि राज्य मंत्री डा. संजीव कुमार बलयान ने 11 से 13 जुलाई 2015 के दौरान अल्जीयर्स का दौरा किया। उन्होंने 12 जुलाई 2015 को अल्जीरिया के कृषि मंत्री श्री अब्डेलकादेर कादी से मुलाकात की, जो इस यात्रा के लिए उनके आधिकारिक मेहमान थे तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की, 13 जुलाई 2015 को विदेश राज्य मंत्री श्री रामटेन लमारमा से उनके कार्यालया में मुलाकात की जिसके बाद अल्जीरिया के प्रधानमंत्री श्री अब्देलमालेक सेल्लाल के साथ बैठक की और अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देल अजीज बोउटेफ्लिका से मुलाकात की। मंत्री द्वारा राष्ट्रपति और विदेश राज्य मंत्री को निजी तौर पर आई ए एफ एस-3 के लिए निमंत्रण की मूल प्रतियां सौंपी गईं। इन बैठकों में आपसी हित के विषयों पर चर्चा भी हुई।
- "लिबर्टी" के वरिष्ठ पत्रकार श्री हामिद सैदानी जिन्हें आई ए एफ एस - 3 में अल्जीरिया की मीडिया का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया था, के परिचय यात्रा की व्यवस्था आई एफ एस - 3 के लिए विदेश मंत्रालय के एक्स पी प्रभाग द्वारा की गई थी, ने 23 अक्टूबर 2015 को अफ्रीकी पत्रकारों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की वार्ता में भाग लिया।
- व्यापार मंत्री श्री बख्ती बेलाएब ने 23 अक्टूबर 2015 को नई दिल्ली, भारत में तीसरी भारत - अफ्रीका व्यापार मंत्री बैठक में भाग लिया।
- अल्जीरियाई उद्यमी प्रमुख मंच के अध्यक्ष श्री अली हद्दाद जिनको भारत - अफ्रीका व्यवसाय परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था, ने इस परिषद की तीसरी बैठक में अफ्रीका महाद्वीप का प्रतिनिधित्व किया, जिसका आयोजन तीसरी भारत - अफ्रीका व्यापार मंत्री बैठक के दौरान नई दिल्ली में 23 अक्टूबर को हुआ था। उनके साथ मोहम्मद अल ऐद बेन ओमर तथा मेंहदी बेन डिमेराद, उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, कमीशन फॉर इंटरनेशनल रिलेशंस फोरम ऑफ हेड्स ऑफ इंटरप्राइजेज आए थे।
- वाणिज्य मंत्री श्री बख्ती बेलाएब ने तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक की विदेश मंत्री बैठक की कार्यवाही में नई दिल्ली में 27 अक्टूबर 2015 को अल्जीरिया का प्रतिनिधित्व किया।

- मघरेब मामले, अफ्रीकी संघ तथा अरब लीग मंत्री श्री अब्देलकादेर मेसाहेल ने राष्ट्रपति बाउटेफ्लिका की ओर से 29 अक्टूबर 2015 को नई दिल्ली में आयोजित भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक की तीसरी बैठक में अल्जीरिया का प्रतिनिधित्व किया।

द्विपक्षीय करार

भारत ने अल्जीरिया के साथ निम्नलिखित करारों पर हस्ताक्षर किए हैं :

1 दोहरा कराधान परिहार करार - अभी तक अभिपुष्टि नहीं हुई है तथा प्रचालन में नहीं है
2 फाइटोसेनिट्री करार
3 वेटेरिनरी सैनिटेशन प्रोटोकाल हवाई सेवा करार
4 प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया और अल्जीरियन प्रेस सर्विस के बीच करार
5 लघु एवं मध्यम उद्यम के बीच सहयोग पर करार सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम
6 विदेश कार्यालय परामर्श पर एम ओ यू
7 ए आई आर तथा अल्जीरियाई नेशनल रेडियो के बीच एम ओ यू तथा दूरदर्शन एवं अल्जीरियाई नेशनल टेलीविजन के बीच एम ओ यू

आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध

भारत और अल्जीरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय प्रगति हुई है तथा यह वर्ष 2001 में 55 मिलियन अमेरीकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2011 में 3.33 बिलियन अमेरीकी डॉलर पर पहुंच गया। 2015 में यह घटकर 1.556 बिलियन अमरीकी डालर रह गया जिसका मुख्य कारण तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में गिरावट तथा अल्जीरिया से भारत को हाइड्रोकार्बन के निर्यात में गिरावट के अलावा सरकार के घटते राजस्व की वजह से आयात पर रोक लगाने के लिए अल्जीरिया द्वारा अपनाए गए अनेक उपाय थे। 2015 में अल्जीरिया को भारत की ओर से निर्यात का मूल्य 1.114 मिलियन अमरीकी डालर था जबकि अल्जीरिया से आयात का मूल्य 0.442 मिलियन अमरीकी डालर था। हमारे निर्यात में और विस्तार की अभी भी काफी संभावनाएं हैं क्योंकि वर्ष 2015 में अल्जीरिया के 51.501 बिलियन अमरीकी डालर के कुल आयात में भारत का शेयर मात्र 2.16 प्रतिशत था।

नीचे दी गई सारणी में पिछले कुछ वर्षों के दौरान अल्जीरिया के साथ भारत के व्यापार के आंकड़े दिए गए हैं : (मिलियन अमरीकी डालर में)

	2005	**2006**	**2007**	**2008**	**2009**	**2010**	**2011**	**2012**	**2013**	**2014**	**2015**
भारतीय निर्यात	288.7	422.9	442.3	755	805	772.4	1084.8	1101	1305	1196	1114
अल्जीरिया का निर्यात	140	651.1	958	1287	265	1565.3	2307	1067	815	626	442.53
कुल	**428.7**	**1074**	**1400.3**	**2042**	**1070**	**2337.7**	**3391.8**	**2168**	**2120**	**1822**	**1556.53**

भारत से आयात की प्रमुख वस्तुएं : ऑटोमोबाइल एवं अतिरिक्त पुर्जे, कृषि एवं औद्योगिक मशीनरी तथा उपकरण, भेषज पदार्थ, मोबाइल फोन एवं साजोसामान, खाद्य पदार्थ (फ्रोजन बोवाइन मीट, चिकपी, दूध पाउडर, चावल, मसाले, काजू) तथा कास्मेटिक के उत्पाद।

भारत में आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं : गैस, तेल, ल्यूब्रिकेंट और फास्फेट।

अल्जीरिया में भारतीय कंपनिया :

भारत के पी एस यू - टेलीकम्यूनिकेशन कंसलटेशन इंडिया लिमिटेड, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड तथा इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड अल्जीरिया में कई वर्षों से काम कर रहे हैं तथा अपने परियोजना कार्यों का निष्पादन कर रहे हैं। इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड 25 साल से अधिक समय से अल्जीरिया की राष्ट्रीय तेल कंपनी सोनाट्रेच के लिए परामर्शदाता के रूप में काम कर रहा है।

भारत की निजी क्षेत्र की कंपनियां - एल एण्ड टी, के ई सी इंटरनेशनल तथा कल्पतरु विद्युत पारेषण क्षेत्र में सक्रिय हैं। अन्य कंपनियां जैसे कि विजय इलेक्ट्रिकल्स जो विद्युत ट्रांसफार्मर का निर्माण करने वाली भारतीय कंपनी है, डोडसल इंजीनियरिंग एण्ड कंस्ट्रक्शन एफ जेड ई, निर्माण कंपनी शपूरजी पालोनजी तथा भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनियां जैसे कि जाइडस कैडिला, डाबर, सन फार्मा, सिप्ला और हेट्रो ड्रग्स की अल्जीरिया में उपस्थिति है।

हाल के द्विपक्षीय कार्यक्रम

भारत ने अल्जीरिया सरकार के निमंत्रण पर "मानद अतिथि" देश के रूप में अल्जीरिया के 48वें इंटरनेशनल फेयर में भाग लिया जो 9वें जे सी एम के वर्ष पर आयोजित किया गया था। "सलाम नमस्ते" नाम से भारतीय मंडप को फिक्की के सहयोग से लगाया गया जहां आटोमोबाइल एवं स्पेयर पार्ट्स, कृषि मशीनरी एवं ट्रैक्टर, अन्य मशीनरी, निर्माण क्षेत्र, फार्मास्युटिकल, खाद्य एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, निर्माण सामग्री, टायर एवं ट्यूब आदि से जुड़ी 70 से अधिक भारतीय कंपनियों ने मेले में भाग लिया। अल्जीरिया के प्रधानमंत्री श्री अब्देलमालेक सेल्लाल ने भारत के वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री के साथ मिलकर औपचारिक रूप से द्वीप जलाकर भारतीय मंडप का 26 मई 2015 को उद्घाटन किया तथा साथ बैठकर राजस्थानी सांस्कृतिक मंडली के परफार्मेंस को भी देखा।

सांस्कृतिक

- दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के तहत दोनों पक्षों की ओर से सांस्कृतिक मंडलियां एक दूसरे के देशों का दौरा करती हैं। अल्जीरिया ने अप्रैल 2008 में नई दिल्ली में आयोजित भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक के दौरान अपनी सांस्कृतिक मंडली 'दजेमावी अफ्रीका' को भारत भेजा था।
- अल्जीरिया ने दिसंबर 2010 में एक अन्य 32 सदस्यीय बैलेट मंडली को भारत भेजा था। मई 2011 में आदिस अबाबा में आयोजित भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में अल्जीरिया की एक 9 सदस्यीय शास्त्रीय संगीत मंडली ने भाग लिया था।

- 2009 में आई सी सी आर द्वारा भारतीय पेंटिंग प्रदर्शनी 'वुमेन बाई वुमेन' भेजी गई थी। अल्जीरिया सरकार ने अल्जीयर्स सहित 10 से अधिक प्रांतों में इस पेंटिंग प्रदर्शनी के आयोजन में मदद की। इस प्रदर्शनी का दौरा लगभग दो साल तक जारी रहा तथा अल्जीरिया के लोगों द्वारा इसकी खूब सराहना की गई।
- डेजर्ट पीपुल फेस्टिवल में भाग लेने के लिए एक राजस्थानी लोक नृत्य मंडली 'मीरा कला मंदिर' ने दिसंबर 2009 में अल्जीरिया का दौरा किया।
- 20 से 27 नवंबर, 2014 के दौरान अल्जीयर्स में दूसरे भारत - अरब सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया जिसका संयुक्त रूप से उद्घाटन अल्जीरिया के संस्कृति मंत्री, उप महासचिव, अरब लीग, महानिदेशक, आई सी सी आर तथा राजदूत द्वारा किया गया। आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित 16 सदस्यीय कंटेमपोरेरी नृत्य मंडली तथा एक नौ सदस्यीय कथक नृत्य मंडली के अलावा महोत्सव में अनेक कलाकारों, एक कैलीग्राफर तथा एक कुरान वाचक ने भी भाग लिया। साथ ही एक भारतीय फोटोग्राफ प्रदर्शनी का भी उद्धाटन किया गया। हिल्टन होटल के सहयोग से एक भारतीय खाद्य महोत्सव का भी आयोजन किया गया जो सांस्कृतिक महोत्सव के साथ चल रहा था। भारत द्वारा भेजी गई चार बालीवुड फिल्मों को इस अवधि के दौरान राष्ट्रीय सिनेमा घरों में दिखाया गया। इस महोत्सव का आयोजन अल्जीरिया के सात अन्य प्रमुख शहरों एवं कस्बों में भी किया गया। मेजबान अल्जीरिया के अलावा मिस्र, ईराख, लेबनान, मोरिटानिया, ओमान, फिलीस्तीन, सोमालिया, सूडान और ट्यूनीशिया ने भी इस महोत्सव में भाग लिया।
- 26 मई से 2 जून 2015 के दौरान अल्जीरिया के 48वें इंटरनेशनल फेयर के उद्घाटन के दौरान अल्जीरिया के तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के उच्चाधिकारियों ने प्रसिद्ध राजस्थानी "सपेरा" डांस ग्रुप के परफार्मेंस को देखा और खूब सराहा, जिसमें अल्जीरिया के प्रधानमंत्री श्री अब्देलमालेक सेल्लाल और भारत की वाणिज्य मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमन शामिल हैं। इस फेयर में भारतीय मंडप "सलाम नमस्ते" ने 25 मई से 2 जून 2015 के दौरान हजारों आगंतुकों को आकर्षित किया, जिन्होंने 7 सदस्यीय राजस्थानी सपेरा डांस ग्रुप तथा 3 सदस्यीय पपेट ग्रुप के परफार्मेंस का लुफ्त उठाया जिसकी विशेष रूप से व्यवस्था इस अवसर के लिए आई सी सी आर के माध्यम से की गई थी।
- अल्जीरिया क्रांति की 61वीं वर्षगांठ के अवसर पर 13 सदस्यीय भांगड़ा एवं गिद्धा डांस ग्रुप ने 1 से 5 नवंबर 2015 के दौरान बोर्ड बु अरेरिड्ज, सेटिफ, मिला, कोंस्टानटाइन तथा अल्जीयर्स जैसे स्थानों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

भारतीय समुदाय

अल्जीरिया में भारतीय डायसपोरा की संख्या बहुत कम है। तकरीबन 2100 भारतीय अल्जीरिया की विभिन्न परियोजनाओं एवं स्थापनाओं में काम कर रहे हैं (हालांकि इनमें से केवल 1400 ने दूतावास में अपना पंजीकरण कराया है), जिनमें से अधिकांश तकनीकी दृष्टि

से कुशल व्यक्ति हैं जो दूरदराज के क्षेत्रों में परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। राजधानी शहर अल्जीयर्स में मुट्ठीभर भारतीय रहते हैं जिसमें कंपनियों के कुछ कंट्री हेड शामिल हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, अल्जीयर्स की वेबसाइट :
http://indianembassyalgiers.org/
भारतीय दूतावास, अल्जीयर्स का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/embassyofindiaalgiers.algiers

*****

फरवरी, 2016